नैरोबी मक्खियाँ

हाल ही में **नैरोबी मक्खियों** के संपर्क में आने के बाद **पूर्वी सिक्किम** में लगभग 100 छात्र **त्वचा संक्रमण** से ग्रसित हो गए।

नैरोबी मक्खियाँ:

- **परिचय:**
  - यह **पूर्वी अफ्रीका की स्थानिक** कीट प्रजाति है।
  - नैरोबी मक्खियाँ जिन्हें केन्याई मक्खियाँ या ड्रैगन बग के रूप में भी जाना जाता है, **दो प्रजातियों के छोटे भृंग जैसे कीट हैं:**
    - पेडरस एक्ज़िमियस।
    - पेडरस सबियस।
  - हाल में ही इन्हें सिक्किम में देखा गया है, ये नारंगी तथा काले रंग के होते हैं और उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में पनपते हैं।
  - अधिकांश कीटों की तरह ये भी तेज़ रोशनी की ओर आकर्षित होते हैं।
- **ऐतिहासिक प्रकोप:**
  - केन्या और पूर्वी अफ्रीका के अन्य हिस्सों में इसके अधिक प्रकोप देखे गए हैं। वर्ष 1998 में असामान्य रूप से हुई भारी बारिश के कारण इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में कीट देखे गए।
  - अतीत में अफ्रीका से बाहर भारत, जापान और पराग्वे जैसे देशों में भी कई प्रकोप देखे गए हैं।

मानव पर प्रभाव:

- ये कीट आमतौर पर काटते नहीं हैं लेकिन वे मानव त्वचा पर रहने के दौरान हानिकारक होते हैं क्योंकि **वे शक्तिशाली अम्लीय पदार्थ छोड़ सकते हैं जो मानव त्वचा पर जलन पैदा कर सकता है।**
- उत्सर्जित पदार्थ को **पेडरिन** कहा जाता है और यह त्वचा पर जलन पैदा कर सकता है, जिससे घाव या असामान्य निशान या त्वचा रंगहीन हो जाती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nairobi-flies